

**“बैंक ऑफ़ इंडिया का  
तिमाही 1 वित्तीय वर्ष 26 उपार्जन कॉल”  
29 जुलाई, 2025**

**प्रबंधन टीम का प्रतिनिधित्व**

श्री रजनीश कर्नाटक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक

श्री सुब्रत कुमार, कार्यपालक निदेशक

श्री राजीव मिश्रा, कार्यपालक निदेशक

**संचालक :** शुभ संध्या। देवियो और सज्जनो। बैंक ऑफ़ इंडिया की ओर से, हमारे सभी सम्मानित विश्लेषकों का स्वागत करते हुए हमें गर्व हो रहा है, जो व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल रूप से हमारे साथ जुड़े हैं। हमें बैंक ऑफ़ इंडिया के वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। जैसा कि आप सभी देख सकते हैं, मंच पर हमारे एमडी और सीईओ श्री रजनीश कर्नाटक जी मौजूद हैं, और उनके साथ कार्यपालक निदेशक श्री पीआर राजगोपाल सर, श्री सुब्रत कुमार सर और श्री राजीव मिश्रा जी भी मौजूद हैं। तो, आज हमारे साथ जुड़ने के लिए आप सभी का धन्यवाद। हमारे एमडी और सीईओ श्री रजनीश कर्नाटक जी को इस सभा को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। देवियो और सज्जनो, शुभ संध्या और आज की विश्लेषक बैठक में आपका स्वागत है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए बैंक के वित्तीय परिणाम आपके साथ साझा करते हुए, मुझे आप सभी का इस बातचीत में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद।

जैसे-जैसे दुनिया 2025 के उत्तरार्ध की ओर बढ़ रही है, वैश्विक अर्थव्यवस्था एक मंद विकास परिवेश से जूझ रही है, जो मुख्यतः व्यापार शुल्कों के टकराव और बढ़ते संघर्षों से उत्पन्न हो रहा है। हालाँकि, घटती मुद्रास्फीति से समर्थित घरेलू विकास भारत को वैश्विक चुनौतियों से बचा रहा है। नीतिगत संवेदनशीलता, मज़बूत विदेशी मुद्रा भंडार, बढ़े हुए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और त्वरित व्यापार विविधीकरण के साथ इसका बहुआयामी आर्थिक ढाँचा, बाहरी प्रभावों से निपटने में मदद करता है। इसके साथ ही, भारतीय रिज़र्व बैंक दरों में कटौती, चलनिधि अंतर्वेशन, रणनीतिक बॉन्ड परिचालन और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में सुधार के माध्यम से मांग को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है, ऋण लागत को कम कर रहा है और राजकोषीय स्थिरता को सहारा दे रहा है। ये संकेतक मिलकर निवेशकों का विश्वास बनाए रखने और विकास एवं मुद्रास्फीति पर व्यवधानों के प्रभाव को कम करने में योगदान दे रहे हैं। तीव्र गति से डिजिटलीकरण और फिन-टेक सहयोग वित्तीय जगत में परिचालन और ग्राहक जुड़ाव को बदल रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र मज़बूत बैलेंस शीट, उच्च पूँजी पर्याप्तता और कम एनपीए के साथ अधिक लचीला बनकर उभर रहा है।

हमारे बैंक का मुख्य ध्यान सभी माध्यमों से ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और नवीन एवं विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करके लगातार नए ग्राहक जोड़ने पर रहेगा। इससे टिकाऊ ऋण वृद्धि के लिए कम लागत वाली जमाराशियों, यानी CASA और खुदरा सावधि जमाओं को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। इस कवरेज के लिए मेरा भाषण तीन भागों में विभाजित होगा।

पहला भाग पहल के संबंध में, दूसरा भाग व्यावसायिक मापदंडों के संबंध में और तीसरा भाग अनुपात और लाभप्रदता के संबंध में है। पहल के संदर्भ में, पहला भाग विकसित भारत के लिए बैंकिंग से संबंधित है। यहाँ पहली बात, कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं के लिए निर्यात ऋण व्यवसाय प्राप्त करने हेतु भारतीय रुपये में रेपो-लिंकड निर्यात ऋण सुविधा है। हमने कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं के लिए भारतीय रुपये में रेपो - लिंकड निर्यात ऋण सुविधा तैयार की है। दूसरी बात, हरित ऊर्जा पहलों का समर्थन करने और अपने हरित वित्त पोर्टफोलियो का विस्तार करने के उद्देश्य से, बैंक ने आवासीय और सौर ऊर्जा परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले विक्रेताओं को अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान करने हेतु बीओआई स्टार एनर्जी सेवर विक्रेता वित्त योजना शुरू की है।

**डिजिटल पहल** : पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइनों को UPI प्लेटफॉर्म से जोड़ने की सुविधा लागू की गई है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक जमा खातों के अलावा पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइनों से धन हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करके UPI कार्यक्षमता को व्यापक बनाना है। कागज़ रहित बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए, उन्नत अनुकूलन और संपूर्ण डेटा माइग्रेशन के साथ एक नया, अगली पीढ़ी का दस्तावेज़ प्रबंधन समाधान लागू किया जा रहा है।

मानव संसाधन पहलों के संदर्भ में, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के दौरान, बैंक ने प्रोजेक्ट सक्षम के अगले चरण की शुरुआत की है, जिसमें सेक्टर चैंपियनों का चयन शामिल है। यह परियोजना प्रत्येक कर्मचारी के क्षेत्र-विशिष्ट ज्ञान को बेहतर बनाने और क्लस्टर-आधारित वित्त, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र के लिए, के लिए वित्तीय समाधान विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

दूसरा, एक नई पुरस्कार और मान्यता नीति, "बीओआई स्टार ग्रेस", कर्मचारी जुड़ाव, प्रेरणा और संतुष्टि को बढ़ाने के लिए शुरू की गई है, साथ ही व्यक्तिगत और टीम के प्रदर्शन को बैंक के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ संरेखित किया गया है। और तीसरा, संशोधित जॉब फैमिली नीति है। जॉब फैमिली को बैंक की अध्ययन और विकास पहलों के साथ निकटता से जोड़ा जाएगा, जिसमें हमारे उत्कृष्टता केंद्रों में अनुकूलित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन कार्यक्रम शामिल हैं।

जहाँ तक व्यावसायिक पहल का प्रश्न है, तो सबसे पहले, वैश्विक व्यापार जून '24 के 13,64,000 करोड़ रुपये से 10.37% बढ़कर जून '25 में 15,06,000 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 1,41,000 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई। वैश्विक अग्रिमों में भी वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 12.02% की वृद्धि हुई, जो जून '25 में 6,00,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,72,000 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 72,000 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई।

वैश्विक जमा राशियाँ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 9.07% बढ़कर जून 2025 में ₹7,64,000 करोड़ से ₹8,33,000 करोड़ हो गईं, जिसमें ₹69,000 करोड़ से अधिक की वृद्धि हुई है। घरेलू सकल अग्रिम राशियाँ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 11.24% बढ़कर जून 2025 में ₹5,08,000 करोड़ से ₹5,65,000 करोड़ हो गईं। RAM अग्रिम राशियाँ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 16.69% बढ़कर जून 2025 में ₹2,81,000 करोड़ से ₹3,28,000 करोड़ हो गईं, जो जून 2025 तक कुल घरेलू अग्रिम राशियों का 58% है।

घरेलू जमा राशि भी जून 2025 में 9.62% बढ़कर ₹6,48,000 करोड़ से ₹7,10,000 करोड़ हो गई। CASA भी वर्ष-दर-वर्ष आधार पर ₹2.75 लाख करोड़ से बढ़कर जून 2025 तक ₹6,000 करोड़ से अधिक की वृद्धि के साथ ₹2.82 लाख करोड़ हो गया और CASA अनुपात 39.88% रहा।

प्रमुख लाभप्रदता और परिसंपत्ति गुणवत्ता के संदर्भ में, परिचालन लाभ में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 9% की वृद्धि हुई है और यह वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 4,009 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 3,677 करोड़ रुपये था। शुद्ध लाभ में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 32% की वृद्धि हुई है और यह वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 1,703 करोड़ रुपये के मुकाबले इस वर्ष की

पहली तिमाही में 2,252 करोड़ रुपये रहा। स्लिपेज अनुपात वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 0.35% के मुकाबले वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 0.33% रहा।

वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में ऋण लागत भी बढ़कर 0.68% हो गई, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 0.85% थी। गैर-ब्याज आय में साल-दर-साल आधार पर 66% की वृद्धि हुई है और यह 2,166 करोड़ रुपये रही, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 1,302 करोड़ रुपये थी। सकल एनपीए और निवल एनपीए दोनों अनुपातों में कमी के साथ परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में सकल एनपीए अनुपात साल-दर-साल आधार पर 170 आधार अंकों के सुधार के साथ 2.92% हो गया। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में निवल एनपीए अनुपात 24 आधार अंकों के सुधार के साथ 0.75% हो गया। जहां तक प्रावधान कवरेज अनुपात का संबंध है, यह जून '24 के 92.11% की तुलना में जून '25 में सुधरकर 92.94% हो गया है।

जून 2025 तक, बैंक का सीआरएआर जून 2024 के 16.18% से बढ़कर 17.39% हो गया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि के अनुरूप, वैश्विक अग्रिम वृद्धि का अनुमान लगभग 12% से 13% और वैश्विक जमा वृद्धि वित्त वर्ष 2026 में लगभग 10% से 11% रहेगा। हमारा मुख्य ध्यान कम लागत वाली जमा राशि जुटाने पर होगा ताकि हमारे शुद्ध ब्याज मार्जिन की सुरक्षा हो सके और व्यवसाय में निरंतर वृद्धि के लिए उच्च-लाभ वाले अग्रिमों में वृद्धि हो, जिसमें डिजिटल पहल, परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार और स्लिपेज को रोकने पर ज़ोर दिया जाएगा।

बैंक का प्रयास दक्षता और लाभप्रदता बढ़ाने के साथ-साथ अनुपालन और बेहतर कॉर्पोरेट प्रशासन पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। मैं आप सभी को आपके निरंतर सहयोग के लिए एक बार फिर धन्यवाद देना चाहता हूँ। अब चर्चा और प्रश्नोत्तर के लिए मंच खुला है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

**संचालक :** बहुत-बहुत धन्यवाद महोदय। अब हम प्रश्न पूछने के लिए तैयार हैं। प्रतिनिधि आपको माइक सौंपेंगे। कृपया अपना हाथ उठाएँ और एक बार में केवल दो प्रश्न ही पूछें। हाँ, कृपया अपना और अपने संगठन का परिचय दें।

**श्री भाविक :** धन्यवाद। नमस्ते टीम, इस अवसर के लिए धन्यवाद। मैं इनक्रेड कैपिटल से भाविक हूँ। मेरे कुछ प्रश्न हैं। महोदय, सबसे पहले, चूँकि हमारा निवल एनपीए घटकर 0.75% रह गया है, इसे और कम करने के लिए हम क्या कर सकते हैं? इस वर्ष के लिए कोई लक्ष्य और ऋण लागत मार्गदर्शन? आपके उत्तर के बाद मैं कुछ प्रश्न पूछूँगा।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ :** जहाँ तक क्रेडिट लागत का सवाल है, देखिए हमने 0.68% की क्रेडिट लागत दिखाई है। मार्च में, हमारी क्रेडिट लागत 0.76% थी। जहाँ तक क्रेडिट लागत पर मार्गदर्शन का सवाल है, हम वित्त वर्ष 2026 के लिए लगभग 0.70% का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

दूसरे प्रश्न का संबंध निवल एनपीए से था। हाँ, हमने अपने निवल एनपीए में भी सुधार किया है, वर्तमान में हम 0.75% पर हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में यह 0.99% था। इसलिए हम शुद्ध एनपीए के लिए भी 0.70% का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

**श्री भाविक** : ठीक है, तो ऋण लागत में 70 आधार अंकों की वृद्धि आंशिक रूप से निवल एनपीए में कमी के कारण है। और महोदय, पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही में आयकर रिफंड पर ब्याज कितना रहा है? आयकर रिफंड पर ब्याज।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ** : आयकर रिफंड। इस तिमाही में हमें कोई आयकर रिफंड नहीं मिला।

**श्री भाविक** : ठीक है। और महोदय, इस तिमाही में बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली काफी धीमी रही। पूरे वर्ष के लिए कोई मार्गदर्शन और हमें ट्रेजरी लाभ के बारे में क्या सोचना चाहिए? इस तिमाही में बहुत मज़बूत। क्या हम यह मान लें कि इस वर्ष ट्रेजरी लाभ का 70% से 80% हो गया है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ** : जहां तक बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली का सवाल है, देखिए Q4FY25 में, हमारे पास तीन अनियमित खाते थे जिनमें हमने वसूली की थी, जिसके कारण आप Q4 संख्या में एक बहुत बड़ा आंकड़ा देखते हैं।

तो इस बार जहाँ तक बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली का सवाल है, ये उस तरह के बड़े खाते नहीं थे। इसलिए आपको वहाँ कम संख्या दिखाई दे रही है। दूसरा हिस्सा ट्रेजरी लाभ के संबंध में है। हाँ, यह तिमाही हमारे लिए ट्रेजरी आय के लिहाज से अच्छी रही है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि जब ब्याज दरें कम होती हैं, तो ट्रेजरी कुछ लाभ कमाता है। और इस दौरान, जहाँ तक अग्रिमों का सवाल है, रेपो दर में कमी और हमारे 60% अग्रिम ईबीएलआर - एक्सटर्नल बेंचमार्क लिंकड होने के कारण मार्जिन ज़्यादा नहीं था।

हमें उम्मीद है कि आने वाली तिमाहियों में, दूसरी और तीसरी तिमाही में, इसमें सुधार होगा, और अब सुधार शुरू हो गया है क्योंकि हम उम्मीद कर रहे हैं कि ब्याज दरों में, खासकर देनदारियों के मामले में, कटौती का लाभ मिलेगा। जमा राशि पर ब्याज दरों में कटौती अक्टूबर 2024 से शुरू हुई है। इसलिए, एक साल का चक्र अक्टूबर 2025 में पूरा होगा। इसलिए अगली तिमाही के साथ, हमें जमा दरों में कटौती का लाभ मिलने की उम्मीद करनी चाहिए। और ऐसा होने पर, निवल ब्याज आय और निवल ब्याज मार्जिन दोनों में सुधार होने लगेगा।

**श्री भाविक** : ठीक है सर। बहुत-बहुत धन्यवाद। अगर कोई और सवाल हो तो मैं पुनः पूछूंगा।

**संचालक** : हाँ, बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे ऑरम कैपिटल के श्री नितिन एस. धर्मावत से ऑनलाइन एक प्रश्न मिला है। क्या एडफैक्टर्स टीम उनसे बात करवा सकती है?

**श्री नितिन धर्मावत** : शुभ संध्या और अवसर देने के लिए धन्यवाद। महोदय, सबसे पहले मैं आपको इस तिमाही में सकल एनपीए अनुपात, निवल एनपीए अनुपात, पीसीआर, स्लिपेज अनुपात, ऋण लागत सहित सभी महत्वपूर्ण परिसंपत्ति गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए बधाई देना चाहता हूँ।

लेकिन जैसा कि हम जानते हैं कि इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है, हमारा ROA पिछली तिमाही के 0.98% से घटकर अब 0.82% रह गया है। तो पूरे वर्ष के लिए ROA का मार्गदर्शन क्या होगा और हमें कम से कम 1% ROA कब तक पहुँचने की उम्मीद है और इसके लिए क्या करना होगा?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ :** जहां तक आरओए का सवाल है, हमने इस तिमाही में 0.82% का आरओए दिखाया है। अगर आप पिछले पूरे साल का आरओए देखें, तो यह 0.90% था और वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2024 के लिए यह 0.70% था। इसलिए, जहां तक आरओए का सवाल है, हमने आरओए में लगभग 12 आधार अंकों का सुधार किया है। लेकिन हम वित्त वर्ष 26 के लिए लगभग 0.90% का मार्गदर्शन केवल इस तथ्य के कारण दे रहे हैं कि इस वित्तीय वर्ष में निवल ब्याज आय और निवल ब्याज मार्जिन दबाव में हैं। इसलिए हम वित्त वर्ष 26 के लिए 0.90% का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

**श्री नितिन धर्मावत :** धन्यवाद महोदय। और मेरा अगला प्रश्न यह है कि हमें कम से कम 1% ROA कब तक प्राप्त होने की उम्मीद है और इसके लिए क्या करना होगा? बस इसी पर एक अनुवर्ती प्रश्न।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** देखिए, अगर आप चौथी तिमाही के आंकड़े देखें, तो हम 1% के बहुत करीब थे। दरअसल, वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में हम 0.98% पर थे। इसलिए, इस साल, जब ब्याज दर स्थिर हो जाएगी और ब्याज दर का लाभ देनदारियों पर भी पड़ेगा और निवल ब्याज आय (एनआईआई) में सुधार होने लगेगा, तो निश्चित रूप से हम आपको 1% के आंकड़े तक पहुँचने पर बेहतर मार्गदर्शन देने की स्थिति में होंगे।

**श्री नितिन धर्मावत:** मेरा अगला प्रश्न यह है कि महोदय, हमारी लागत-आय अनुपात तिमाही दर इस तिमाही में 300 आधार अंकों से बढ़ा है। तो इसके क्या कारण हैं? इसके स्थिर होने की संभावना कहाँ है? यह अभी 51.47% है, जबकि पिछली तिमाही में यह 48.53% था।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** लागत-आय अनुपात, हमारा 51.30% है। यदि आप पिछले वर्ष की हमारी पहली तिमाही के आँकड़े देखें, तो उस समय यह 51.47% था। हम जो अनुमान दे रहे हैं, वह लगभग 51% है, क्योंकि पहली तिमाही में आम तौर पर आय कम दर्ज की जाती है और ब्याज व्यय भी शामिल होता है। इसलिए, आगामी सितंबर और दिसंबर तिमाही में, हमें उम्मीद है कि ऋण प्रवाह में सुधार होगा, बैंक को ब्याज आय मिलने लगेगी और लागत-आय अनुपात भी कम हो जाएगा।

**संचालक :** नितिन जी, हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद। जी हाँ, चोकसी सर।

**श्री सुशील चौकसे :** शुभ संध्या। नकदी की कमी और वैश्विक अनिश्चितता से जूझ रहे चुनौतीपूर्ण समय में स्थिर आंकड़ों के लिए बधाई। मानसून बहुत अच्छा रहा है। ऐसा लगता है कि वैश्विक टैरिफ चुनौतियाँ खत्म हो सकती हैं। भारत को अभी भी इस पर विचार करना है, लेकिन वैश्विक व्यापार करने वाले अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र पहले से ही टैरिफ संख्या वाली सूची में हैं। हमने रैम के मामले में अच्छा प्रदर्शन किया है। तो सबसे पहले, भारत के सकारात्मक कारकों के कारण रैम पर दृश्यता कैसी है और खुदरा वृद्धि बाजार की उम्मीदों से अधिक होने की संभावना है और रैम प्लस पर प्रतिफल क्या है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** जहाँ तक रैम का सवाल है, जैसा कि आपने देखा है, रैम में हमारी प्रगति अच्छी रही है। रैम सेगमेंट में साल-दर-साल वृद्धि भी 18% से ज़्यादा रही है। और अगर आप बुक के पूरे हिस्से को देखें, तो हमारा रैम हिस्सा पोर्टफोलियो का लगभग 58% है और बाकी कॉर्पोरेट एडवांस है। और रैम बुक में जिस तरह की वृद्धि हम देख रहे हैं और जिस तरह की पाइपलाइन हमारे पास है, उसे देखते हुए

हम जब बोल रहे हैं करीब 80000 रुपये पाइपलाइन में है। उस 80,000 करोड़ रुपये में से, 10,000 करोड़ रुपये से अधिक रैम सेगमेंट में पाइपलाइन है और शेष अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कॉर्पोरेट बुक में है। इसलिए, हम अपनी घरेलू कॉर्पोरेट बुक में भी काफी अच्छी वृद्धि कर रहे हैं, लेकिन फिर भी, मैं कह सकता हूँ कि रैम और कॉर्पोरेट का हिस्सा लगभग 58% और 42% के बराबर रहेगा।

**श्री सुशील चोकसी:** महोदय, मेरा अगला प्रश्न यह है कि CASA में हमने अपने अधिकांश समकक्षों की तुलना में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे विश्वास है कि बैंक ने प्रौद्योगिकी, टैब बैंकिंग और विभिन्न क्षेत्रों में कई पहल की हैं। क्या बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा की गई पहलों के कारण चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद CASA के संबंध में हमें तीव्र प्रदर्शन की उम्मीद है या यह 38 से 40% के बीच स्थिर रहेगा?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** तो आंतरिक रूप से शीर्ष प्रबंधन स्तर पर, हम वित्त वर्ष 26 में 40% का लक्ष्य रख रहे हैं। इसलिए, हम आंतरिक रूप से CASA वृद्धि का लक्ष्य बना रहे हैं ताकि वित्त वर्ष 26 के अंत तक हमारा CASA प्रतिशत 40% हो। इस बार भी, अगर आप इस तिमाही को देखें, तो हम 40% से थोड़ा नीचे हैं। जहाँ तक CASA आंकड़ों का सवाल है, पूरे बैंकिंग सिस्टम में काफी दबाव था।

आपको बता दूँ कि जहाँ तक CASA का सवाल है, हम अभी भी क्रमिक रूप से मार्च के CASA के आँकड़ों से ऊपर हैं। इसलिए, अगर आप साल-दर-साल देखें, तो हमने साल-दर-साल CASA में लगभग 6,700 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। CASA आँकड़ों को बेहतर बनाने के लिए हमने बैंक के भीतर कई पहल की हैं और संसाधन विभाग वहाँ काफी कुशलता से काम कर रहा है।

हमने अब रिलेशनशिप मैनेजर नियुक्त कर दिए हैं। हमारी एक हज़ार शाखाएँ हैं जो हाई नेटवर्क इंडिविजुअल शाखाएँ हैं, प्रमुख शाखाएँ हैं। और फिर हमने CASA पर कई डिजिटल पहल की हैं। हमने पिछले वित्तीय वर्ष में 211 नई शाखाएँ खोली हैं। इस वित्तीय वर्ष में भी 201 नई शाखाएँ खोली जाएँगी। इसलिए इन सभी पहलों को मिलाकर, हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने CASA आँकड़ों को बनाए रखने और ऋण वृद्धि को पूरा करने में सक्षम होंगे, ज़ाहिर है कि हम खुदरा सावधि जमा और थोक जमा भी लेंगे। फिर भी, हमारा लक्ष्य CASA अनुपात को लगभग 40% पर बनाए रखना है।

**श्री सुशील चोकसी:** महोदय, प्रश्नोत्तर सत्र में अधिकांश बैंकर संकेत दे रहे हैं कि वर्ष के अंत में, हमें चौथाई से 50 आधार अंकों की दर से ब्याज दर में कटौती करनी चाहिए और अधिकांश बैंकर एक नहीं, बल्कि दो कटौतियाँ करने की बात कह रहे हैं। यह ध्यान में रखते हुए कि हमारी जमा राशियाँ वर्ष दर वर्ष दूसरी या तीसरी तिमाही में पुनर्मूल्यन की जाती हैं, आप वर्ष की अवधि में अधिकांश अग्रिमों पर ट्रेजरी और प्रतिफल को कैसे देखते हैं?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** फिलहाल, रेपो रेट में 1% की कटौती हो चुकी है, जो 6.5% से घटकर 5.5% हो गई है। और अल्पावधि में, हमें रेपो रेट में और कटौती की उम्मीद नहीं है, क्योंकि सिस्टम में पर्याप्त चलनिधि मौजूद है। इसलिए, कल देखें तो 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की चलनिधि थी। और आरबीआई की ओर से सीआरआर में कटौती की घोषणा पहले ही हो चुकी है। इसमें भी 1% की कटौती हुई है, जो 6 सितंबर से चार ट्रांच में लागू होगी। फिर से, सिस्टम में चलनिधि आएगी।

अल्पावधि में, हमें, आंतरिक स्तर पर, रेपो दर में और कटौती की उम्मीद नहीं है। और हमें उम्मीद है कि जमा दरों का लाभ दूसरी तिमाही में और उससे भी ज़्यादा तीसरी तिमाही में मिलेगा। और फिर एनआईएम स्थिर हो जाएगा और तीसरी तिमाही से इसमें सुधार शुरू हो जाएगा।

**श्री सुशील चोकसे:** महोदय, विशेष रूप से आरएएम के नेतृत्व में और टीएटी पर बेहतरी के लिए आप जो पहल कर रहे हैं, किस प्रकार का डिजिटल खर्च और मानव संसाधन पर खर्च और इससे जुड़ा हुआ खर्च जिससे बैंक का प्रदर्शन बेहतर हो और आपकी लागत आय अनुपात जहां है उसकी तुलना में अधिक तर्कसंगत या स्थिर हो जाए?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** पिछले उत्तर के अनुसार, मैं एक और बात जोड़ना चाहूंगा कि हमने लगभग 20 इमर्जिंग कॉर्पोरेट क्रेडिट शाखाएँ भी खोली हैं। इसलिए, हम अपनी इमर्जिंग कॉर्पोरेट शाखाओं पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो मध्य कॉर्पोरेट अग्रिमों में हैं, साथ ही उभरते हुए कॉर्पोरेट भी जो कॉर्पोरेट बनेंगे। वहाँ से भी, हमें अच्छी प्रगति मिल रही है और जिस पाइपलाइन के बारे में मैंने कहा था कि वह 80,000 करोड़ रुपये की है, उसमें इमर्जिंग कॉर्पोरेट क्रेडिट शाखाओं से आने वाली पाइपलाइन भी शामिल है क्योंकि यहीं हम बैंक के लिए मार्जिन देखते हैं क्योंकि वहाँ हम एमसीएलआर दरों पर उधार दे सकते हैं, वहाँ हमें बेहतर एलसी, बीजी कमीशन, बेहतर प्रक्रिया शुल्क, बेहतर अपफ्रंट शुल्क मिल सकता है। तो यह बैंक के मार्जिन में सुधार करने की एक कार्यनीति है। यह एक पहलू है। दूसरी बात डिजिटल पहलों के संबंध में है।

तो, मैं आपको बता सकता हूँ कि पिछले 12 महीनों में एक लाख करोड़ से ज़्यादा की अंडरराइटिंग डिजिटल पहल के ज़रिए नए स्वीकृतियों के कारण हुई है। तो, हमारी RAM बुक, चाहे वह रिटेल हो, कृषि हो, MSME हो, पहले से ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर है। अगर आप हमारी प्रस्तुति भी देखें, तो RAM सेगमेंट में लगभग 20 उत्पाद डिजिटल मोड में हैं।

इसलिए, मंजूरी डिजिटल मोड पर जा रही है। देयता पक्ष में भी कई उत्पाद हैं, वास्तव में, देयता पक्ष में छह उत्पाद हैं जो डिजिटल के अंतर्गत स्वचालित हैं। इसलिए, परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए हम डिजिटल पक्ष पर कई पहल कर रहे हैं, पहला, एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बनाना जहाँ शाखाओं पर आने वाले ग्राहकों का बोझ कम हो और ग्राहक डिजिटल मोड, मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से लेनदेन कर सकें।

तो, जहाँ तक आईटी पर खर्च का सवाल है, यह एक स्पष्ट पहल है। हम न केवल डिजिटल, बल्कि तकनीकी पहलू और साइबर सुरक्षा पर भी गंभीरता से खर्च कर रहे हैं। पिछले साल हमारा बजट लगभग 2,000 करोड़ रुपये का था, जिसमें से हम लगभग 1,850 करोड़ रुपये खर्च कर पाए।

इस वर्ष भी हमने आईटी, डिजिटल और साइबर सुरक्षा पर लगभग 2,000 करोड़ रुपये का बजट रखा है और इस वर्ष भी हम अधिकांश धनराशि प्रणाली के भीतर अधिक परिचालन दक्षता बनाने पर खर्च करेंगे, ताकि हम प्रौद्योगिकी और स्वचालन में अधिक आगे बढ़ सकें, जिससे कर्मचारियों पर बोझ कम हो और वे बिक्री और विपणन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें।

**श्री सुशील चोकसे:** महोदय, मैंने अपने पहले प्रश्न में संकेत दिया था कि RAM पर प्रतिफल 9% या उससे बेहतर होना चाहिए?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** RAM पर यील्ड 9% से ज़्यादा है। वास्तव में, यह 9% से कहीं ज़्यादा ही होनी चाहिए। 840 और उससे ज़्यादा रेटिंग वाले CIC स्कोर वाले ग्राहकों को हम अपनी श्रेणी में सबसे बेहतरीन हाउसिंग लोन ROI 8% दे रहे हैं। इसलिए, यह हमारी सबसे कम दर है। अन्यथा हमारी दरें नौ प्रतिशत से ऊपर हैं। इसलिए RAM में, हमें 9% से ज़्यादा की दर यील्ड की उम्मीद है।

**संचालक:** महोदय, मैं सिर्फ़ एक ऑनलाइन प्रश्न लूँगा। यह व्यक्ति बहुत देर से इंतज़ार कर रहा है। ये हैं श्रीमान धीरज ।

वह एक खुदरा निवेशक हैं और उन्होंने सवाल उठाया है कि बैंक ने 100% प्रावधान के साथ 1,160 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी के मामलों की सूचना दी है। कौन से विशिष्ट नियंत्रण विफल रहे और उनकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या उपाय लागू किए जा रहे हैं? क्या आप यह भी स्पष्ट कर सकते हैं कि इनमें से कितने आंतरिक नियंत्रण विफलताएँ थीं या कितने बाहरी धोखाधड़ी और किसी कर्मचारी की मिलीभगत?

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** श्रीमान धीरज , अगर आप सुन रहे हैं, तो मेरा जवाब यह है। इस बार जो हुआ है, वह यह है कि सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला आया है, जिसमें कहा गया है कि उन सभी मामलों में जहाँ भी बैंक ने पहले ही धोखाधड़ी की घोषणा कर दी है, हमें फिर से जाँच करनी होगी और देखना होगा कि धोखाधड़ी हुई है या नहीं। इसलिए इस बार हमने जो 1,500 करोड़ रुपये घोषित किए हैं, वे वास्तव में पहले की धोखाधड़ी की पुनः जाँच हैं और बैंक में धोखाधड़ी के रूप में फिर से पुष्टि की गई है।

आंतरिक नियंत्रण में कोई चूक नहीं हुई है। ज़्यादातर धोखाधड़ी क्रेडिट से जुड़ी हैं, जहाँ RBI की परिभाषाओं और अन्य बातों के अनुसार, यह धोखाधड़ी बन गई। इसलिए, हम जिस 1,500 करोड़ रुपये की बात कर रहे हैं, उसमें कोई ऑपरेशनल धोखाधड़ी नहीं है। एक बड़े खाते में लगभग 700 करोड़ रुपये और दूसरे में 600 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी है। इनमें से 94% से ज़्यादा धोखाधड़ी क्रेडिट से जुड़ी हैं, जिन्हें पिछले वर्षों में ही धोखाधड़ी घोषित किया जा चुका है और इस बार भी इसकी पुष्टि हुई है।

**श्री अशोक अजमेरा :** मैं अशोक अजमेरा हूँ, एजकॉन ग्लोबल का चेयरमैन। माफ़ कीजिए, सेंट रेजिस से आने के लिए हम बीकेसी के ट्रैफ़िक में बुरी तरह फँस गए। मुझे नहीं पता कि ये लोग कैसे पहुँचे। वे तुरंत चले गए होंगे। हमने एमडी से बात की है।

तो महोदय, सिर्फ़ इसी धोखाधड़ी वाले मामले पर, जिन खातों की समीक्षा की गई, यानी जहाँ क्लाइंट को बुलाया गया और वो प्रक्रिया पूरी हुई, उनमें बकाया राशि सिर्फ़ 40-50 करोड़ रुपये थी, जबकि इस तिमाही में कुल धोखाधड़ी का बकाया इससे कहीं ज़्यादा है, जिसके लिए भी आपने 100% प्रावधान किया है। मैं बस ये जानना चाहता हूँ कि इस तिमाही में हमने धोखाधड़ी के लिए कितना प्रावधान किया है जो P&L खाते में प्रावधान के तौर पर गया है।

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** मैं आपको पूरी जानकारी दूँगा, लेकिन असल में जो हुआ है वह यह है कि इन खातों में पहले से ही ये प्रावधान रखे गए थे। इसलिए उन्हें इस तिमाही में फिर से आगे बढ़ाया गया, बस इतना ही। देखिए, 1,500 करोड़ रुपये के खातों में पहले से ही प्रावधान थे, हमने इसे कभी वापस नहीं लिया। इसलिए, दोबारा पुष्टि के बाद, ये प्रावधान पिछली तिमाहियों से ही आगे बढ़ाए गए हैं, बस इतना ही।

**श्री अशोक अजमेरा:** मैं इसे ऑफ़लाइन ले जाऊँगा क्योंकि इस तिमाही में भी नए धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं, जिसके लिए भी आप कह रहे हैं कि कोई नया धोखाधड़ी नहीं हुआ है।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** केवल 30 करोड़ रुपये की नई धोखाधड़ी हुई है।

**श्री अशोक अजमेरा:** बस यही तो मैं चाहता था। महोदय, सबसे पहले, इस कठिन समय में, आपके व्यवसाय की बहुत अच्छी वृद्धि के लिए बधाई। अन्य लोगों ने भी आपके व्यवसाय की अच्छी वृद्धि, यानी ऋण और जमा वृद्धि के लिए आपकी सराहना की होगी। साथ ही, अच्छे परिसंपत्ति प्रबंधन के कारण, हमारे GNPA और NNPA में भी कमी आई है, जिसकी पूरी व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद, परिचालन लाभ पर कुछ अतिरिक्त दबाव है। मुझे लगता है कि पिछली तिमाही की तुलना में परिचालन लाभ लगभग 850 करोड़ रुपये अधिक है, न कि पिछली तिमाही की तुलना में।

तो, इसमें से भी 500 करोड़ रुपये इस तिमाही में वेतन में कमी से ऑफ़सेट हो गए हैं, अगर आप इसे मार्च तिमाही से लें और बट्टे खाते में डाले गए खातों से कम वसूली से भी कुछ जुड़ गया है, जो पिछली तिमाही की तुलना में काफी ज़्यादा है। तो मैं सबसे पहले यह जानना चाहता हूँ कि इस तिमाही में वेतन में जो कमी दिखाई गई है, क्या वह बाकी तीन तिमाहियों के लिए भी जारी रहेगी, जहाँ तक वेतन का सवाल है, ताकि हम इसे सामान्य खर्च मान सकें और मार्च का कोई भी खर्च यहाँ शामिल न हो। तो यह सबसे पहले है।

नंबर दो, फिर से बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली। बेशक मैं समझ सकता हूँ, पहली तिमाही में थोड़ी सुस्ती है, लेकिन आगे बढ़ते हुए, बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली के लिए पूरे वित्त वर्ष 26 के लिए हमारा लक्ष्य क्या है और साथ ही नकदी वसूली पर भी दबाव है, मेरा मतलब है कि अगर आप एनपीए शीट देखें, तो कुल मिलाकर वित्त वर्ष 26 के लिए कुल वसूली का लक्ष्य क्या है, उसमें से कितना बट्टे खाते में डाले गए खातों से है और सामान्य वसूली और अपग्रडेशन से है। मुझे लगता है कि पहली बार, कई तिमाहियों के बाद, हम CASA में 40% से नीचे गए हैं। तो क्या यह फिर से एक तिमाही है, क्या हम आने वाली तीन तिमाहियों में 41%, 42%, 42½% हासिल कर पाएंगे और एक और बात, अगर मैं जोड़ सकता हूँ, तो वह है ताज़ा स्लिपेज, जो पहली तिमाही में अन्य बैंकों के कुल योग में मार्च तिमाही की तुलना में बहुत कम है। हमारे मामले में, यह लगभग समान है ।

मुझे लगता है कि यह 2,100 करोड़ रुपये होगा, जो मार्च तिमाही के 2,149 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। तो, पूरे साल के लिए कुल मिलाकर स्लिपेज का क्या हाल है? और क्या इस तिमाही में कोई एसबीएलसी कमीशन है, जिसे अन्य आय में शामिल किया गया है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** सबसे पहले, मैं पहली बात का जवाब दूँगा, जो कर्मचारियों के खर्च से संबंधित है। पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में, हमने पीएलआई के प्रावधान के अनुसार खर्चों को दर्ज किया था। इसलिए डीएफएस, पीएलआई-1 और पीएलआई-2 से एक प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए हमें कर्मचारियों को जो पूरी राशि देनी है, उसका प्रावधान हमने कर लिया है। इसलिए पिछले वित्तीय वर्ष FY25 के लिए और प्रावधान की आवश्यकता नहीं होगी। तो यह एक पहलू है। यही कारण है कि आप पहली तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में कर्मचारियों की लागत में बढ़ा हुआ आंकड़ा देख रहे हैं। इसलिए कर्मचारियों के खर्च का रन रेट अगली तिमाहियों, दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही में उस संख्या के आसपास ही रहेगा।

यह पहला स्पष्टीकरण है। दूसरा स्पष्टीकरण परिचालन लाभ के संबंध में है। यहाँ भी, जैसा कि आपने सही कहा, कुछ मर्दे बट्टे खाते में थीं, एक बड़ी मद थी। वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में तीन बड़े अग्रिम थे जिनमें वसूली हुई, जैसा कि आप देख सकते हैं कि गैर-ब्याज आय में वृद्धि हुई है, जो इस तिमाही में पहली तिमाही में नहीं थी। लेकिन हमें उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में बट्टे खाते में डाले गए खातों से कुछ वसूली होगी। इस समय संख्या नहीं दी जा सकती। वहाँ से और दूसरी तिमाही में एनसीएलटी खातों से भी कुछ वसूली होगी। यह वसूली होगी। और जैसा कि मैंने कहा, परिचालन लाभ में फिर से सुधार होगा, क्योंकि दरों का हस्तांतरण हो रहा है और जमा दरें कम हो रही हैं और इस तिमाही से ब्याज खर्च में और कमी आ रही है। हमें इस तिमाही से निवल ब्याज आय में सुधार दिखना चाहिए, जिससे हमें आगे चलकर परिचालन लाभ में सुधार करने में मदद मिलेगी।

तो यह दूसरा भाग है। तीसरा भाग वसूली से संबंधित है। पिछले वर्ष, हमने लगभग 9,500 करोड़ रुपये की सकल नकद वसूली की थी। इसलिए इस वर्ष, आंतरिक लक्ष्य यह है कि हम वसूली करें, सकल नकद वसूली, जिसमें बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली शामिल है, जिसमें यूसीआई और यूआरआई से वसूली भी शामिल है, जो कि लगभग 9,500 करोड़ रुपये के लगभग समान आंकड़े पर लगाया गया ब्याज है। इसलिए 9,500 करोड़ रुपये की सकल नकद वसूली के साथ, इस वर्ष भी, जहाँ तक सकल एनपीए अनुपात, निवल एनपीए अनुपात और पीसीआर का संबंध है, हम बहुत अच्छे आंकड़े देने में सक्षम होंगे।

CASA प्रतिशत के संबंध में, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं कि हम लंबे समय के बाद 40% से नीचे आ गए हैं। लेकिन आपको यह भी समझना चाहिए कि कई बैंक ऐसे भी हैं जिन्हें हमसे कहीं ज़्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। वास्तव में, अगर आप आँकड़ों को देखें, अगर आप साल-दर-साल देखें, तो CASA में हमारी वृद्धि लगभग 3% रही है, जो आज के समय में एक दुर्लभ बात है। और अगर आप देखें, तो क्रमिक रूप से भी हमारा CASA आँकड़ा हमारे मार्च आँकड़ों से बेहतर है। CASA का हमारा जून आँकड़ा मार्च आँकड़ों से बेहतर है। इसलिए हम उस CASA आँकड़ों को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं जो अभी है। तो जहाँ तक गिरावट का सवाल है, अगर हमने अपने ऋण में 11-12% की वृद्धि नहीं की होती, जो कि पहले थी। तो अगर हमने जमा राशि भी नहीं बढ़ाई होती, तो हम CASA प्रतिशत को भी

बनाए रख पाते और यह केवल 20 आधार अंकों से ही कम है। हम लगभग 20 आधार अंकों से ही 40% से नीचे आ गए हैं। हालाँकि, अगर आप बैंक की समग्र खुदरा जमा वृद्धि पर गौर करें, तो थोक जमा 14% के भीतर बना हुआ है, जिसे इस कठिन परिस्थिति में समझना ज़रूरी है। हमारा थोक जमा प्रतिशत अभी भी 14% से कम है, जिसका अर्थ है कि हमारा CASA प्रतिशत और खुदरा सावधि जमा कुल घरेलू जमा का 86% है। इसलिए, बैंक के लिए हमारी पूरी फ्रेंचाइज़ी, यानी 5300 शाखाएँ और हमारे सभी बीसी पॉइंट या अन्य माध्यम, जिनका उपयोग हम अपने संसाधन बढ़ाने की कार्यनीति के रूप में कर रहे हैं, कठिन बाज़ार और संसाधनों के संदर्भ में मौजूद कठिन चुनौतियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

हम अपनी खुदरा जमा राशि को कुल घरेलू जमा राशि के 86% पर बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। और जहाँ तक नए स्लिपेज का सवाल है, हाँ, हम इस बात से सहमत हैं कि नए स्लिपेज क्रमिक रूप से अधिक रहे हैं। यदि आप चौथी तिमाही से देखें, तो पहली तिमाही में यह अधिक है। लेकिन यदि आप तिमाही-दर-तिमाही आधार पर देखें, तो यह लगभग वैसी ही संख्या थी जैसी 24 जून की पहली तिमाही में थी।

इसलिए मैं इसके लिए कोई बहाना नहीं बना रहा, लेकिन संख्या वही रही है। आम तौर पर, अगर आप देखें, तो हमारे लिए पहली तिमाही संग्रह दक्षता के मामले में थोड़ी धीमी होती है। और दूसरी तिमाही आते ही, संग्रह दक्षता में सुधार होता है और इस तिमाही में जिन खातों में स्लिपेज हुई है, उनमें से कई अगली तिमाही में अपग्रेड हो जाएँगे, जो पहली तिमाही में स्लिपेज हुए थे। पिछले साल हमारे पास लगभग 7,600 करोड़ रुपये का नया स्लिपेज था। इसलिए इस साल, हम कह रहे हैं कि हम केवल 1.20% के स्लिपेज अनुपात का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

**संचालक:** बहुत-बहुत धन्यवाद महोदय। एक सज्जन ऑनलाइन प्रतीक्षा कर रहे हैं, उनका नाम शिक्सुआन गोह है।

**श्री शिक्सुआन गोह:** नमस्ते, क्या मुझे ठीक से सुन पा रहे हैं? इन नतीजों के लिए बधाई। मेरे बस दो सवाल हैं। पहला सवाल एमएसएमई एसएमए पर है। क्या आप बता सकते हैं कि एसएमए तिमाही दर तिमाही 60% क्यों बढ़ा है? क्या कोई खास वजह है या एमएसएमई सेगमेंट की जमीनी स्थिति क्या है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** तो मैं समझ पाया कि आपका प्रश्न एमएसएमई पोर्टफोलियो और उसमें भी एमएसएमई के एसएमए नंबर के बारे में था। आप सही कह रहे हैं, अगर आप पिछले साल जून 24 को देखें, तो एमएसएमई एसएमए 1,010 करोड़ रुपये था जो बढ़कर 1,630 करोड़ रुपये हो गया है। यह सही है। लेकिन अगर आप देखें, तो एसएमए नंबरों में वृद्धि कम संग्रह क्षमता के कारण भी है जो इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में थी, यही मूल कारण है कि एमएसएमई एसएमए बढ़ा है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि आने वाली तिमाहियों में दूसरी और तीसरी तिमाही में हम इस संख्या को नियंत्रित कर पाएँगे और संग्रह क्षमता में पहले से ही सुधार होना शुरू हो गया है क्योंकि हम जुलाई महीने के अंत में हैं और मुझे लगता है कि जहाँ तक बैंक के लिए एमएसएमई एसएमए नंबर का संबंध है, यह संख्या सर्वोच्च संख्या होनी चाहिए।

**श्री शिक्सुआन गोह:** मेरा एक और प्रश्न है। वित्त वर्ष 26 के लिए 0.9% ROA के मार्गदर्शन के बारे में, हम किस प्रकार की प्राप्ति मान रहे हैं?

**संचालक:** श्रीमान शिक्सुआन, मैं बीच में ही टोक सकता हूँ। आपकी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही है। आपकी आवाज़ साफ़ नहीं है। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया अपना प्रश्न हमें मैसेज करें, मैं उसे ले लूँगा क्योंकि अभी हम आपको ठीक से सुन नहीं पा रहे हैं।

**श्री शिक्सुआन गोह:** हाँ, मैं चैट बॉक्स में डाल दूँगा। धन्यवाद।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** जहाँ तक ROA का सवाल है, हाँ, इस तिमाही में ROA घटकर 0.82% रह गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में यह 0.90% था। लेकिन मैं आपको बता दूँ कि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 0.70% पर था, इसलिए जहाँ तक ROA का सवाल है, इसमें 12 आधार अंकों का सुधार हुआ है। जहाँ तक ROA के लिए मार्गदर्शन का सवाल है, हम वित्त वर्ष 26 के लिए 0.90 का मार्गदर्शन दे रहे हैं और ROA में गिरावट का मुख्य कारण यह भी है कि शुद्ध ब्याज आय और शुद्ध ब्याज मार्जिन पर बहुत दबाव था, इसलिए यह एक मुख्य कारण है कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही से ROA में गिरावट आई है।

**प्रतिभागी:** आपकी थोक जमा राशि लगभग 14% है। क्या मैं जान सकता हूँ कि इस थोक जमा राशि की लागत क्या है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** हमारी सावधि जमा की भारित औसत लागत लगभग 6.98% है।

**प्रतिभागी:** मैं केवल थोक जमा की लागत पूछ रहा हूँ।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** वह आँकड़ा अभी हमारे पास नहीं है। हम आपको अलग से बता सकते हैं।

**प्रतिभागी:** सवाल यह है कि अगर थोक जमा दर ज़्यादा है और आपकी औसत अग्रिम निवेश दर लगभग 8% है, तो क्या आप विकास पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं या लाभप्रदता पर? क्योंकि, अगर आप लाभप्रदता पर ध्यान दे रहे हैं, तो थोक जमा की यह संख्या कम होनी चाहिए। दरअसल, आपको बहुत सारा कारोबार छोड़ देना चाहिए जो बैंक के लिए सार्थक नहीं है। इसलिए, NIM दबाव में हैं। NIM पर दबाव नहीं होना चाहिए। मूल रूप से आपको यह समझना होगा कि शेयर बुक वैल्यू से काफ़ी नीचे क्यों कारोबार कर रहे हैं, क्योंकि आपका ध्यान लाभप्रदता पर नहीं, बल्कि वृद्धि पर है। धन्यवाद।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** एक बैंक के रूप में, हमें दोनों चीजों में संतुलन बनाना होता है। हमें विकास और लाभप्रदता दोनों में संतुलन बनाना होता है। इसलिए, जब हम बल्क डिपॉजिट की बात करते हैं, तो मैं आपको एक आँकड़ा देता हूँ। जब मैं कहता हूँ कि हमारा बल्क डिपॉजिट 14% से कम है, तो यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में उद्योग में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। अन्य बैंकों में बल्क डिपॉजिट हमसे कहीं ज़्यादा है। इसलिए जब हम बल्क डिपॉजिट कहते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह

सामान्य डिपॉजिट दर से ज़्यादा है, यह उसी दर पर हो सकता है जिस पर बाज़ार में चलनिधि काम कर रही है। तो, बस यही एक चीज़ है जो मौजूद है। कुछ केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों, राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के साथ हमारे बहुत मज़बूत संबंध हैं, जहाँ हमारे वेतन खाते और अन्य खाते हैं जहाँ हमें 100 करोड़ रुपये, 150 करोड़ रुपये के बल्क डिपॉजिट चेक मिलते हैं जिन्हें हम अस्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि उस सार्वजनिक उपक्रम - केंद्रीय या राज्य सार्वजनिक उपक्रम - के साथ हमारा पहले से ही एक संबंध है। हमें उन संबंधों को जारी रखना होगा और यदि वे 150 करोड़ या 200 करोड़ रुपये की जमा राशि की पेशकश कर रहे हैं, तो उस जमा राशि को न लेना होगा, यदि उनके पास अधिशेष चलनिधि है।

तो, जहाँ तक इस वृद्धि और मार्जिन के बीच के अंतर का सवाल है, मैं कह सकता हूँ कि अगर आप हमारी कॉर्पोरेट बुक देखें, तो हमने अपनी कॉर्पोरेट बुक में 3,000 करोड़ रुपये की कमी की है। जब मैं कहता हूँ कि हमने कॉर्पोरेट बुक में 3000 करोड़ रुपये की कमी की है, तो आप यह भी देख सकते हैं कि साल-दर-साल आधार पर कॉर्पोरेट में केवल 3 से 4% की वृद्धि हुई है। हुआ यह है कि काफ़ी अग्रिम राशि मिली है, कम से कम जहाँ हमने बकाया राशि छोड़ दी है, क्योंकि दरें बहुत अच्छी थीं और हम सिर्फ़ इसलिए बुक नहीं बढ़ाना चाहते थे क्योंकि हमें बुक बढ़ानी है और मार्जिन नहीं है। हमने कुछ बड़े अग्रिम, कॉर्पोरेट अग्रिम, कम कर दिए हैं। हालाँकि, यह कहने के बाद मैं यह भी बता दूँ कि हमारे पास लगभग 80,000 करोड़ रुपये की पाइपलाइन है, जिसमें से RAM पाइपलाइन लगभग 10,000 करोड़ रुपये की है और शेष कॉर्पोरेट पाइपलाइन है। हम अपनी वृद्धि और मार्जिन के बीच एक बहुत ही महीन रेखा पर चल रहे हैं और जब हम कहते हैं कि हम एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं और बड़े बैंकों में से एक हैं तो हमें दोनों चीज़ों - वृद्धि और मार्जिन - को संतुलित करना होगा।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक** : मैं आपकी टिप्पणी में एक बात जोड़ना चाहूंगा, वह है थोक जमा; मूल रूप से यह कुल सावधि जमा का केवल 25% है, भले ही आप केवल सावधि जमा को ही ध्यान में रखें, भारित औसत सावधि जमा दर, जिसे आप जानते हैं कि हमारे एमडी ने अभी बताया है।

दरअसल, यह थोक जमा दर जैसा ही है। तो होता यह है कि थोक जमा एक बार में नहीं लिया जाता। बल्कि यह समय के साथ लिया जाता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि बाजार में कौन सी दरें उपलब्ध हैं। खुदरा जमाओं के लिए भी यह औसतन लगभग 6.90% है। ज़्यादातर बैंकों में खुदरा जमाओं पर दरें बहुत ऊँची हैं। उनकी भारित औसत सावधि जमा भी बहुत ऊँची है, इसका एक सीधा सा कारण यह है कि बाजार खुदरा जमाओं और थोक जमाओं के बीच बहुत ज़्यादा अंतर नहीं करता। थोक जमा वास्तव में बाजार का एक कार्य है। अगर नकदी की समस्या होती है, तो हम ऊँची दर से जमा करते रहेंगे। तो, मुद्दा यह है कि, जैसा कि आप जानते हैं, आपकी बात मान ली गई है, स्प्रेड, जैसा कि आपने सही कहा, जिस ब्याज स्प्रेड की हम बात कर रहे हैं, वह कम से कम 3% होना चाहिए। इसलिए, हम इसे निरंतर आधार पर हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि, आप जानते हैं, हमारी लाभप्रदता में सुधार हो। हम ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह वास्तव में एक तिमाही है जहाँ ब्याज स्प्रेड वास्तव में नहीं बढ़ा है क्योंकि देयता दरें कम नहीं हुई हैं। इसलिए, हमने देयता दरें कम कर दी हैं और इसका प्रभाव दूसरी और तीसरी तिमाही में दिखाई देगा। एक बार ऐसा हो जाने पर, ब्याज प्रसार बढ़ जाता है। इसलिए आज मेरा ब्याज प्रसार लगभग 2.80% या उसके आसपास बना हुआ है। इसलिए हमें इस 3%

की आवश्यकता है, शायद सितंबर में, शायद दिसंबर में। तब मेरी लाभप्रदता स्वतः ही बढ़ जाएगी। इसलिए कुल मिलाकर, आपको वार्षिक आधार पर, तिमाही दर तिमाही देखना होगा, विचलन होंगे।

**प्रतिभागी :** राजगोपाल महोदय, आप जो कहना चाह रहे हैं वह यह है कि खुदरा सावधि जमा दर थोक जमा के लगभग बराबर है।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** आज यही स्थिति है।

**प्रतिभागी:** नहीं, मेरा मतलब है कि खुदरा सावधि जमा के लिए यह 6.9% और थोक जमा के लिए 6.9% है।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** यही तो है। बाज़ार भी ऐसा ही है।

**प्रतिभागी :** धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।

**संचालक:** महोदय, एक और सज्जन हैं जो वर्चुअली जुड़े हैं, जिनका नाम श्री जय मुंद्रा है । गौरी कृपया उन्हें बातचीत में शामिल कराएं।

**श्री जय मुंद्रा:** नमस्ते, शुभ संध्या। अवसर देने के लिए धन्यवाद। तो पहला प्रश्न एनआईएम पर है और जैसा कि आपने बताया कि आईटी रिफंड पर कोई ब्याज नहीं है, लेकिन क्या आप बता सकते हैं कि एनआईआई में एनपीए वसूली की राशि कितनी थी और आगे चलकर नेट इंटरैस्ट मार्जिन को आप कैसे देखते हैं, यह मानते हुए कि आगे से ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं होगी?

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** एनआईआई रिकवरी, देखिए, मूल रूप से शुद्ध ब्याज आय, तो फिर से, आपकी बात पर वापस आते हुए, जय, आप जानते हैं, मैंने पहले ही उत्तर दिया था, अगर आप देखें तो एनआईआई देयता मूल्य और परिसंपत्ति मूल्य, दोनों का एक कार्य है। अब, देयता पक्ष पर, मैं पहले ही बता चुका हूँ कि, आप जानते हैं, देयता पक्ष पर हम जो मूल्य निर्धारण करते हैं, वह वास्तव में अभी कम नहीं हुआ है। और भले ही हमने वास्तव में कीमतें कम कर दी हैं, लेकिन इसे आगे बढ़ाना होगा।

देनदारियों में ब्याज दरों का हस्तांतरण थोड़ा समय लेता है। आप जानते हैं, यह दिसंबर में हो सकता है। हम यही उम्मीद कर रहे हैं। शायद सितंबर तक, देनदारियों की कीमतों में, देनदारी लागत के साथ-साथ मूल्य निर्धारण के संदर्भ में, कुछ गिरावट आएगी। और दिसंबर तक, हम वास्तव में एक अच्छी ब्याज दर प्राप्त कर पाएँगे। जब देनदारियों में ब्याज दर कम हो जाती है, तो स्वाभाविक रूप से आपकी निवल ब्याज आय भी बढ़ जाती है।

तो दिसंबर में रिकवरी होगी। और तदनुसार, एनआईएम के संदर्भ में भी, दिसंबर में रिकवरी होगी। अगर आप मेरे घरेलू एनआईएम को देखें, तो हमें घरेलू एनआईएम में बहुत ज़्यादा गिरावट नहीं दिखी। पिछली तिमाही में यह लगभग 2.91% थी। अब, हम लगभग 2.82% पर हैं। लगभग 8 आधार अंकों की गिरावट आई थी। और ऐसा इसलिए है क्योंकि देयता की कीमतें वास्तव में अभी शुरू होनी बाकी हैं। और फिर

मेरी देयता लागत भी अभी कम नहीं हुई है। मुझे वास्तव में इसे हासिल करने में शायद एक और तिमाही लग जाएगी।

**श्री जय मुंदड़ा:** यह सही है, महोदय। लेकिन अगर यह सब हो जाए, तो मेरा मतलब है, निश्चित रूप से, यह होगा कि आपकी देनदारी की लागत में देरी के साथ कमी आएगी। और परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन आपके सर्वोत्तम अनुमान के आधार पर, 2.55% मार्जिन, इसका व्यवहार कैसा होना चाहिए? मेरा मतलब है, अगली तिमाही में, यह कम होगा, और फिर ठीक हो जाएगा। तो पूरे वर्ष के लिए एनआईएम पर आपका क्या मार्गदर्शन होगा?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** जहाँ तक एनआईएम का सवाल है, देखिए, हम वैश्विक एनआईएम का एनआईएम लगभग 2.55% दिखा रहे हैं। और इसके भीतर घरेलू एनआईएम 30 जून तक 2.82% है। इसलिए जब हम वित्त वर्ष 26 के लिए मार्गदर्शन की बात करते हैं, तो मैं यह कहना चाहूँगा कि जहाँ तक हमारे एनआईएम का सवाल है, हम 2.55% के निचले स्तर पर पहुँच चुके हैं। और जहाँ तक मार्गदर्शन का सवाल है, हमें कहना चाहिए कि यह वित्त वर्ष 26 के लिए 2.50% से 2.60% के बीच होना चाहिए। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि जहाँ तक देयता पक्ष का सवाल है, पुनर्मूल्यन शुरू होगा, सब कुछ अभी नहीं हुआ है। और देयता पक्ष में मूल्य निर्धारण में कमी अक्टूबर '24 से शुरू हुई, और यह चक्र अक्टूबर '25 तक पूरा हो जाना चाहिए। और एक बार यह पूरा हो जाने के बाद, तीसरी और चौथी तिमाही, ये पूरी तिमाहियाँ हैं जहाँ हमें बैंक के लिए जमा की लागत में वास्तव में कमी देखने को मिलेगी। इसलिए, इसके बाद से हमें एनआईएम और बैंक की निवल ब्याज आय में सुधार दिखना चाहिए।

**संचालक:** श्री मुंद्रा , ऑनलाइन जुड़ने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** जय, क्या कोई और सवाल है? जय, क्या आप ऑनलाइन हैं?

**श्री जय मुंदड़ा:** महोदय, मैं यहां हूँ।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** क्या आपने पूछा कि एनआईआई के हिस्से के रूप में रिकवरी से हमें कितना ब्याज मिल सकता है? क्या आपने यह सवाल पूछा था?

**श्री जय मुंदड़ा:** जी हां, महोदय।

**श्री पी.आर. राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** एक बात जो मैं आपको बता सकता हूँ, वह यह है कि पहली तिमाही में ब्याज आय और वसूली के माध्यम से ब्याज आय में योगदान हमेशा कम होता है। इसलिए पूरे वर्ष की अवधि में, हमें औसतन लगभग 1,300 करोड़ रुपये से 1,400 करोड़ रुपये की ब्याज आय प्राप्त होती है क्योंकि हम बट्टे खाते में डाले गए खातों से भी वसूली करते रहते हैं। बट्टे खाते में डाले गए खातों में औसत वसूली भी बढ़ जाती है, फिर नकद वसूली भी बढ़ जाती है, जो वास्तव में मेरी ब्याज आय में योगदान करती है। तो यह दिसंबर और मार्च तिमाही में बहाल हो जाएगी। तो यही है, लेकिन यह कोई बड़ा योगदान नहीं होगा। मैं जो देख रहा हूँ वह यह है कि बड़ा योगदान उस कोर स्प्रेड के माध्यम से आएगा जिसके बारे में हम परिसंपत्ति और देयता मूल्यों के संदर्भ में बात करते हैं।

**श्री जय मुंदड़ा:** ज़रूर, सर। तो अंत में, आपने कहा कि 2.55% मार्जिन लगभग अपने निचले स्तर पर पहुँच गया है, है ना? और फिर इसमें सुधार आना शुरू हो जाना चाहिए।

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** देखिए, आपको वैश्विक मार्जिन और घरेलू मार्जिन में अंतर समझना चाहिए। इसलिए हमारा वैश्विक मार्जिन हमेशा कम रहता है क्योंकि, आप जानते हैं, हमारी वैश्विक उपस्थिति बहुत ज़्यादा है। वैश्विक स्तर पर हमारी लगभग 18% बुक वैल्यू है। तो स्वाभाविक रूप से, आप जानते हैं, वैश्विक स्तर पर हमारा एनआईएम कम होगा, लेकिन, आप जानते हैं, हम वास्तव में वैश्विक स्तर पर लगभग 2.70%, 2.80% प्राप्त कर पाएँगे, जबकि, आप जानते हैं, घरेलू एनआईएम लगभग 3% रहेगा और शायद दिसंबर और मार्च में फिर से कम हो जाएगा।

**श्री जय मुंदड़ा,** महोदय, मेरा प्रश्न लेने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

**प्रतिभागी:** महोदय, पहला प्रश्न कॉर्पोरेट क्षेत्र में SMA2 बहीखाते के बारे में है, जिसमें तिमाही-दर-तिमाही काफी वृद्धि हुई है। तो क्या आप बता सकते हैं कि वे कौन से खाते हैं जिनमें बढ़ोतरी हुई है और वहाँ से सुधार की क्या उम्मीद है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** जहाँ तक कॉर्पोरेट में एसएमए2 बहीखाते का सवाल है, यह प्रस्तुति में मौजूद है। यह लगभग 3,900 करोड़ रुपये है। इसमें लगभग चार खाते हैं। और ये सभी खाते एक राज्य के पीएसयू खातों से संबंधित हैं। इसलिए वे एसएमए2 श्रेणी में चले गए हैं, लेकिन हमें विश्वास है कि इसमें आगे कोई रोल-फॉरवर्ड नहीं होगा और जैसा कि हम कह रहे हैं, वे एनपीए नहीं बनेंगे। इसलिए हमें उम्मीद है कि इसमें कुछ वसूली होगी, संग्रह होगा और हम उन्हें कम से कम एसएमए0 स्तर तक वापस लाने में सक्षम होंगे।

अतः ये सभी खाते जून 24 को SMA0 थे, जो अब SMA2 श्रेणी में आ गए हैं, लेकिन हमें विश्वास है कि वे स्लिप नहीं होंगे और ये सभी राष्ट्रीयकृत पीएसयू हैं।

**प्रतिभागी:** और क्या आपने अब तक इन खातों पर कोई अतिरिक्त प्रावधान किया है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** आरबीआई के 7 जून, 2019 के परिपत्र के कारण हमने केवल एक खाते के लिए अतिरिक्त प्रावधान किया है। आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, केवल एक खाता ही वृद्धिशील प्रावधान के लिए पात्र था। इसलिए हमने यह प्रावधान किया है।

**प्रतिभागी:** समझ गया। दूसरी बात, FVTPL की बही तिमाही दर तिमाही लगभग दोगुनी होकर 23,000 करोड़ रुपये से 40,000 करोड़ रुपये हो गई है। इसकी क्या वजह है?

**श्री सुब्रत कुमार, कार्यपालक निदेशक:** तो बात यह है कि हमने जो किया है, हमने ब्याज दरों में कटौती वगैरह की आशंका के आधार पर एक बहीखाता तैयार किया है। और इसीलिए हमने अपनी एएफएस बहीखाता बढ़ा दी है, जो बैंक की ओर से एक कार्यनीतिक निर्णय है।

**प्रतिभागी :** समझ गया। धन्यवाद।

**संचालक:** और भी लोग ऑनलाइन इंतज़ार कर रहे हैं। एक श्री मोहित जैन हैं।

**श्री मोहित जैन :** शुभ संध्या, महोदय। मैं बस यह फिर से पुष्टि करना चाहता हूँ कि आपने कहा था कि वैश्विक NIM के लिए NIM चालू तिमाही में लगभग 2.55% के निचले स्तर पर पहुँच चुका है। और आगे चलकर, हमारा अनुमान है कि यह 2.50% से 2.60% के बीच रहेगा।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** हाँ, यह सही है। हमने कहा है कि हमारे लिए एनआईएम 2.55% पर पहुँच गया है। अगर आप आगे देखें, तो आपको निवल ब्याज आय दिखाई देगी। निवल ब्याज आय के मामले में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वास्तव में, यह माइनस 3% है। इसलिए, जहाँ तक ब्याज आय का सवाल है, पहली तिमाही सुस्त रही है।

जहाँ तक बैंक की ब्याज आय का सवाल है, हमें उम्मीद है कि दूसरी और तीसरी तिमाही का प्रदर्शन काफी बेहतर रहेगा। इसलिए, एक बार जब बैंक की ब्याज आय और अग्रिमों में बकाया राशि में सुधार होगा, तो स्वाभाविक रूप से, निवल ब्याज आय और अंततः, निवल ब्याज मार्जिन में भी इसी मूल तर्क के अनुसार सुधार होगा। और यह भी कि जमा राशि का हस्तांतरण भी दूसरी और तीसरी तिमाही में होगा। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, हम कह रहे हैं कि 2.55% वैश्विक एनआईएम हमारे लिए न्यूनतम स्तर पर पहुँच गया है।

**श्री मोहित जैन:** और महोदय, अग्रिमों के मामले में, बाहरी बेंचमार्क से जुड़े लोगों के संबंध में रेपो कटौती का ट्रांसमिशन पहले ही किया जा चुका है। संपूर्ण 100 आधार अंकों का प्रसारण किया जा चुका है या कुछ दूसरी तिमाही में किया जाएगा।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** नहीं, नहीं, यह उसी दिन किया गया है जिस दिन रेपो दर में कटौती हुई है। क्योंकि, हमारे बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, जब भी रेपो दर में कटौती होती है, उसी शाम हम अपनी ब्याज दर कम कर देते हैं और हमारी 60% बही रेपो से जुड़ी होती है, बाहरी बेंचमार्क रेपो से जुड़ी होती है। इसलिए इसे तुरंत लागू कर दिया गया है। यही एक कारण है कि निवल ब्याज आय और निवल ब्याज मार्जिन में कमी आई है।

**संचालक:** धन्यवाद, मोहित जी। क्या यहाँ कोई बैठा है जो कोई प्रश्न पूछना चाहेगा?

**श्री रमेश बोजवानी :** मेहता एंड वकील से रमेश बोजवानी । मैं आपका प्रेजेंटेशन देख रहा था क्योंकि मैं थोड़ा देर से आया था। हम शहर में आईओबी मीटिंग में थे और बीकेसी आने में हमें डेढ़ घंटे से ज़्यादा लग गया।

मेरे मन में एक विचार यह आ रहा है कि मुद्रास्फीति के 2% से नीचे आने के साथ, आरबीआई आगे चलकर रेपो दर में और कटौती कर सकता है, शायद अगस्त में या अक्टूबर में। और यह पहले ही 100 आधार अंकों की कटौती कर चुका है और 25 या 50 आधार अंकों की और कटौती होने वाली है। तो हमारे एनआईएम और निवल मार्जिन पर इसका क्या गहरा प्रभाव पड़ेगा और हम इसके साथ अपने ऋण और जमा दरों को कैसे संतुलित, पुनर्समायोजित करेंगे?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** देखिए, जहाँ तक आर्थिक आंकड़ों और अन्य बातों का सवाल है, खुदरा मुद्रास्फीति पूरी तरह नियंत्रण में है। देश भर में मानसून भी सामान्य है, है ना? और माँग पक्ष की बात करें तो भी कोई समस्या नहीं है।

**श्री रमेश बोजवानी** ग्रामीण माँग अच्छी है, लेकिन शहरी माँग खराब है।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ:** हाँ, यह ठीक है। लेकिन ग्रामीण माँग ही वह प्रमुख कारक है जिसके लिए अर्थव्यवस्था में समग्र माँग मौजूद है। जीडीपी वृद्धि भी ग्रामीण माँग के कारण ही है। हाँ। और कमोबेश यह देश में मौजूद उपभोग-आधारित अर्थव्यवस्था के कारण भी है।

तो, इन बातों को ध्यान में रखते हुए और इनसे भी ज़्यादा, सिस्टम में पर्याप्त चलनिधि है। इसलिए, आरबीआई ने रेपो रेट में जो कटौती की है, वह न सिर्फ़ ब्याज दरों में कटौती का एक बड़ा कारण है, बल्कि सिस्टम में चलनिधि लाने का भी एक बड़ा कारण है। तो, अगर आप कल के आँकड़े भी देखें, तो बाज़ार में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की चलनिधि थी।

इसके अलावा, RBI ने CRR में भी लगभग 1% की कटौती की है और यह 6 सितंबर से चार किस्तों में लागू होगी। इससे सिस्टम में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की चलनिधि आएगी। सिस्टम में इस तरह की चलनिधि को देखते हुए, हमारा मानना है कि अल्पावधि में RBI रेपो रेट में कटौती नहीं करेगा क्योंकि सिस्टम में पर्याप्त चलनिधि मौजूद है। इसलिए, इस बात को ध्यान में रखते हुए, हमें लगता है कि रेपो रेट में जो भी कटौती हुई है, जो वर्तमान में 5.50% है, अल्पावधि में उसमें कटौती नहीं हो सकती है।

**श्री रमेश बोजवानी :** यह सुनकर बहुत अच्छा लगा। और जब हमारे उधार और जमा पर ये कटौती होती है, तो हम पुनर्मूल्यन कैसे करते हैं? मैं समझ रहा हूँ कि इसमें एक विलंब अवधि होती है। तो जमा, जमा और उधार, दोनों में दरों के पुनर्मूल्यन में शायद एक चौथाई का विलंब होता है, जहाँ भी यह खुला है।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ :** हाँ। जहाँ तक जमा राशि का सवाल है, इसमें हमेशा देरी होती है क्योंकि परिवर्तन में कुछ समय लगता है। इसलिए हमने जो ब्याज दरें दी हैं, और जो सावधि जमाएँ हमने ली हैं, मान लीजिए अगस्त 2024, सितंबर और अक्टूबर के महीनों में, उन सभी की अब पुनर्मूल्यन दरें होंगी।

जैसे कि हम जुलाई के अंत में हैं और अब हम अगस्त के महीने में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए, अक्टूबर 2024 से जमा राशि पर ब्याज दरों में कटौती शुरू हो गई, जब सिस्टम में चलनिधि वापस आने लगी। और हमें लगता है कि एक बार ऐसा होने लगे, तो जमा दरें कम हो जाएँगी। और एक बार जमा दरें कम हो जाएँ, तो ब्याज खर्च कम हो जाएगा और बैंकों की निवल ब्याज आय में सुधार होने लगेगा। और यह विशेष रूप से इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही से शुरू होना चाहिए।

**श्री रमेश बोजवानी :** बहुत बढ़िया। और दूसरा प्रश्न था, महोदय, आप एक बहुत बड़े बैंक हैं और आपकी प्रस्तुति के अनुसार आप लगभग सभी क्षेत्रों को ऋण देते हैं। विनिर्माण, सेवा, एनबीएफसी का लगभग हर क्षेत्र इसमें शामिल है। आप स्थिति को कैसे देख रहे हैं? मेरा मतलब है, शहरी रिपोर्ट बहुत

आरामदायक नहीं है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र बहुत, बहुत सकारात्मक है, जैसा कि आपने उल्लेख किया है। तो कुल मिलाकर, आप इसे कैसे देखते हैं? और पहली छमाही सामान्य रूप से उतनी ही शक्तिशाली होती है, दूसरी छमाही सबसे शक्तिशाली और आगे बढ़ने के लिए सबसे अधिक भर प्राप्त होती है। तो, आप स्थिति को कैसे देख रहे हैं? क्या यह कहना जल्दबाजी होगी कि हम आंशिक रूप से या कुछ हद तक फिर से किसी संकट में प्रवेश कर रहे हैं या यह केवल एक डर है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ :** नहीं, जहाँ तक हमारे बैंक का संबंध है, जैसा कि मैंने आपको बताया कि हमारे पास ऋण की एक बहुत मजबूत पाइपलाइन है, लगभग 80,000 करोड़ रुपये की। तो, इसमें से लगभग 10,000 करोड़ रुपये RAM पाइपलाइन है और शेष 60,000 से 70,000 करोड़ रुपये कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय बहीखाते में, घरेलू कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय बहीखाते में हमारी पाइपलाइन है। और हम उम्मीद कर रहे हैं कि इसमें से ऋण वितरण तीसरी और चौथी तिमाही में हो जाएगा। और एक बार ऐसा होने पर, जाहिर है कि हमारी ऋण वृद्धि होगी और बैंक के लिए ब्याज आय भी बढ़ेगी। और जैसा कि आपने सही कहा कि हम ऋण दे रहे हैं, RAM खंड में हमारी ऋण वृद्धि बहुत मजबूत रही है।

जैसा कि आप देख रहे हैं, हम वर्ष दर वर्ष लगभग 18% की दर से बढ़ रहे हैं। एक बड़ा बैंक होने के नाते, हमारे लिए 18% की वृद्धि एक अच्छी संख्या है, जो कि मौजूद है। जहाँ तक कॉर्पोरेट बुक का सवाल है, हम उम्मीद कर रहे हैं कि अच्छी वृद्धि होगी और यह सभी क्षेत्रों में होगी, चाहे वह एनबीएफसी हो, बुनियादी ढाँचा हो, उद्योग हो या नया खंड, चाहे वह डेटा सेंटर हो, चाहे वह हाइड्रो, सौर या पवन ऊर्जा के लिए हरित वित्तपोषण हो। इसलिए सभी प्रकार के खंड, ईवी फंडिंग भी हमें मिल रही है, सभी प्रकार के प्रस्ताव हमारे पास आ रहे हैं और इसके लिए एक पाइपलाइन पहले ही तैयार हो चुकी है। इसलिए जहाँ तक हमारा सवाल है, हमें पूरा विश्वास है कि हम अपनी कॉर्पोरेट बुक भी बढ़ा पाएँगे। और बैंक की ब्याज आय को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए समग्र ऋण वृद्धि हमारे लिए उपलब्ध रहेगी।

**संचालक:** बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदय, मैं बाद में आपके पास आऊँगा, क्योंकि और भी लोग ऑनलाइन प्रतीक्षा कर रहे हैं। श्री सुनील जैन, महोदय, वे ऑनलाइन प्रतीक्षा कर रहे हैं।

**श्री सुनील जैन :** महोदय, मेरे कुछ प्रश्न हैं। पहला, 518 करोड़ रुपये की यह असाधारण मद क्या है? दूसरा, एमटीएनएल डिफॉल्ट की वसूली के लिए बैंक के पास अब क्या विकल्प उपलब्ध हैं? क्या कोई संवेदनशीलता है या कोई चर्चा चल रही है या यह उसी तरह जारी रहेगा जैसे अभी तक हो रहा है, क्योंकि इसमें जनता का पैसा शामिल है? और तीसरा प्रश्न यह है कि पिछली तिमाही की तुलना में हमारी शाखाओं की संख्या में दो की कमी आई है। मेट्रो में यह दो कम हुई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाँच कम हुई है। तो आगे हमारी रणनीति क्या है? क्या हम कुछ लागतों को तर्कसंगत बनाना चाहते हैं और डिजिटल पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं या हम आगे कुछ और शाखाएँ खोलेंगे? ये कुछ प्रश्न हैं, महोदय।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी और सीईओ :** जहाँ तक शाखाओं का सवाल है, देखिए हमारे पास घरेलू शाखाओं की तरह 5304 शाखाएं हैं, जिनमें से मेट्रो शाखाएं 972 और शहरी 856 और ग्रामीण 1901 हैं। इसलिए, पिछले साल हमने वित्त वर्ष 2025 में लगभग 211 शाखाएं खोली थीं और इस साल हम लगभग 201 शाखाएं खोलेंगे।

तो, हम मेट्रो, शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण सभी प्रकार की मिश्रित शाखाएँ खोलेंगे। यह सब स्थानीय कार्यालय और आंचलिक कार्यालय स्तर पर हमारी कार्यनीति पर निर्भर करता है, जहाँ वे जमा और अग्रिम वृद्धि की संभावना देखते हैं। इसलिए आमतौर पर जब हम नई शाखाएँ खोलने की बात करते हैं, तो हम CASA जमा, खुदरा सावधि जमा और RAM अग्रिमों पर विचार करते हैं।

इसलिए, बैंकिंग के इन तीन बुनियादी क्षेत्रों, CASA, खुदरा सावधि जमा और RAM अग्रिमों में जहाँ भी हमें संभावनाएँ दिखाई देंगी, हम शाखाएँ खोलेंगे। तो, जहाँ तक रिकवरी का सवाल है, हाँ, हमें अच्छी रिकवरी देखने को मिलेगी। जैसा कि मैंने कहा, पिछले साल हमने लगभग 9,500 करोड़ रुपये की कुल सकल नकद वसूली की थी, जिसमें बड़े अग्रिमों और NPA खातों से भी कुछ वसूली शामिल है।

इस वर्ष भी हम लगभग 9,500 करोड़ रुपये की सकल नकद वसूली का अनुमान दे रहे हैं। और पहला प्रश्न एक असाधारण वस्तु के संबंध में था।

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** हाँ, यह असाधारण मद सरकार द्वारा किए गए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पुनर्गठन के बाद आई है। हमें वास्तव में दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को अन्य बैंकों को सौंपने के लिए कहा गया है, एक बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र को और दूसरा बैंक ऑफ़ बड़ौदा को। इसलिए, वहाँ निवेश का वहन मूल्य था और वह बैंक ऑफ़ बड़ौदा और बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र द्वारा भुगतान की गई कीमत के संदर्भ में हमें प्राप्त नहीं हुआ। इसलिए, स्वाभाविक रूप से लगभग 500 करोड़ रुपये के अंतर को एक असाधारण मद के रूप में माना गया है, क्योंकि वहन मूल्य हमें प्राप्त भुगतान से कहीं अधिक है। तो यह स्पष्टीकरण आपको हमारे लेखा-टिप्पणियों के नोट संख्या 17 में मिलेगा। यदि आप इसे देखें तो उसमें यह मिल जाएगा।

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ :** और अंत में, मैं स्पष्ट कर दूँ कि, देखिए, हमारे पास तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक थे, है ना? पहला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक आर्यावर्त बैंक था, जो उत्तर प्रदेश में था और अब बंद हो गया है। इसमें 849 करोड़ रुपये की कमी थी, जिसका उल्लेख खातों के नोट्स में है। और फिर दूसरा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक महाराष्ट्र में विदर्भ कोकण क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक था। इसमें 330 करोड़ रुपये अधिक था। तो यह हमारे पास वापस आ रहा था। तो कुल मिलाकर 518 करोड़ रुपये की कमी हुई, जो हमने वैश्विक बहीखाते से निकाली है। तो यह 518 करोड़ रुपये की कमी है।

**श्री सुनील जैन:** धन्यवाद महोदय। और आखिरी सवाल MTNL डिफॉल्ट का है, हम इस पर क्या कर रहे हैं?

**संचालक :** पहले ही दो सवाल तीन सवालों में बदल चुके हैं। कुछ और भी हैं, कृपया इंतज़ार करें, मैं बाद में आपके पास आऊँगा, सुनील। यहाँ एक सज्जन बैठे थे। हाँ, आप पूछ सकते हैं।

**प्रतिभागी:** नमस्ते महोदय। एक बार फिर मौका देने के लिए धन्यवाद। महोदय, ईबीएलआर बुक में, कितना टी-बिल लिंकड होगा? क्या हमारे पास टी-बिल लिंकड है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** देखिए, जहाँ तक ईबीएलआर का सवाल है, हमारे पास केवल रेपो लिंकड है। इसलिए हमारे पास जीएसईसी या टी-बिल लिंकड नहीं है, बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, हमारा पूरा पोर्टफोलियो रेपो लिंकड है।

**प्रतिभागी:** ठीक है, धन्यवाद महोदय। और महोदय, आरबीआई की ओर से या आंतरिक रूप से, हमें बैंकों के लिए ईसीएल दिशानिर्देश कब प्रभावी होने की उम्मीद करनी चाहिए?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** ईसीएल दिशानिर्देश, देखिए, वर्तमान में कोई स्पष्टता नहीं है कि ये दिशानिर्देश कब प्रभावी होंगे।

**प्रतिभागी:** ठीक है, ठीक है। और महोदय, अगर आप अपनी सावधि जमा और थोक जमा बही की औसत परिपक्वता अवधि बता सकें, तो बहुत मदद मिलेगी। उसकी अवधि। सीमाबद्ध अवधि।

**श्री सुब्रत कुमार, कार्यपालक निदेशक:** देखिए, आमतौर पर आप छह महीने से एक साल के लिए बल्क डिपॉजिट लेते हैं। तो, मैं कह रहा हूँ कि समान्यतः अवधि लगभग सात या आठ महीने की होगी।

**प्रतिभागी:** और सावधि जमा, खुदरा जमा?

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** ये अवधि समान ही होगी, क्योंकि देखिए, हमारे पास मुख्य जमा राशि एक से दो साल के बीच है। इसलिए औसत अवधि थोक जमा के समान ही है।

**प्रतिभागी:** समझ गया, सर।

**श्री पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक:** जब मेरे प्रिय मित्र ने यह प्रश्न पूछा था, तो मैं इसी की ओर इशारा कर रहा था। मूलतः यह ऐसा ही है। एक और बात, मैं स्पष्ट करना चाहता था, क्योंकि, आप जानते हैं, यह बल्क डिपॉजिट और रिटेल टर्म डिपॉजिट का प्रश्न है जो आप पूछ रहे हैं। देखिए, मूलतः बल्क डिपॉजिट तीन करोड़ रुपये से अधिक है और यह कार्ड दरों पर आधारित है। तो स्वाभाविक रूप से, आप जानते हैं, हम बल्क डिपॉजिट में भुगतान को लागत प्रबंधन के संदर्भ में बहुत कुशलता से संतुलित करते हैं, जो भी बाजार मूल्य हैं और लेने या न लेने की हमारी इच्छा पर आधारित है। इसलिए, हम केवल तभी लेते हैं जब इसे लेने की आवश्यकता होती है, अन्यथा हम ऐसे ही नहीं लेते हैं। रिटेल डिपॉजिट के संदर्भ में, प्रवाह बना रहेगा। इसलिए यह प्रवाह जारी रहता है, लेकिन उनमें से अधिकांश, यह मूल भाग में होता है, लेकिन एक से दो साल में हिस्सा सबसे अधिक होता है। यह पूरे बैंकिंग सिस्टम में है। यह ऐसा ही है। हम हमेशा दीर्घकालिक के साथ अल्पकालिक फंड का लाभ उठाते हैं। इसी तरह पूरी बैंकिंग होती है। एएलएम ऐसा ही है।

**प्रतिभागी:** धन्यवाद सर। यह बहुत मददगार रहा। धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।

**संचालक:** मैं यह आखिरी प्रश्न ऑनलाइन ले रहा हूँ, जो श्री प्रदीप ने ऑनलाइन पूछा है। बोर्ड ने जून 2025 में टियर I और टियर II बॉन्ड सहित विभिन्न ऋण साधनों के माध्यम से 20,000 करोड़ रुपये तक की धन उगाहने की योजना को मंजूरी दी थी। हालाँकि, तब से किसी भी निर्गम, मूल्य निर्धारण या दाखिल करने पर कोई अपडेट नहीं आया है। क्या प्रबंधन इस 20,000 करोड़ रुपये के कार्यक्रम की वर्तमान

स्थिति स्पष्ट कर सकता है ? क्या मूल्य निर्धारण, नियामक अनुमोदन या बाज़ार समय निर्धारण में कोई देरी हुई है?

**श्री रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ:** जहां तक इन्फ्रा बांड का सवाल है, हमने इन बांडों को जुटाने के लिए इस वित्तीय वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये के लिए बोर्ड की मंजूरी ले ली है। फिलहाल, हमने तय नहीं किया है कि हम कब लेने का कार्यक्रम बनाएँगे, लेकिन यह निश्चित रूप से दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही में किस्तों में होगा, ये 20,000 करोड़ रुपये के इन्फ्रा बॉन्ड होंगे। जहाँ तक पुराने बॉन्ड का सवाल है, पुराने इन्फ्रा बॉन्ड में वर्तमान बकाया लगभग 12,690 करोड़ रुपये है, जो हमने जुटाए हैं। जहाँ तक टियर I और टियर II के अंतर्गत पूंजी जुटाने की बात है, हमें इस वित्तीय वर्ष 26 के लिए 5,000 करोड़ रुपये की बोर्ड स्वीकृति प्राप्त है , जिसमें 2,500 करोड़ रुपये टियर I और 2,500 करोड़ रुपये टियर II हैं।

**संचालक:** बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदय। आज इस विश्लेषक सम्मेलन में शामिल होने के लिए आप सभी सज्जनों का धन्यवाद और इस ज्ञानवर्धक सत्र के लिए भी धन्यवाद, महोदय। तो फिर से मिलने तक, धन्यवाद और अलविदा।